साम्ब सदाशिव

गुरुमाई चिद्विलासानन्द के साथ नामसंकीर्तन

साम्ब सदाशिव

ध्रुवपद

साम्ब सदाशिव साम्ब सदाशिव
साम्ब सदाशिव हर शम्भो ॥

देवी अम्बा के साथ एकात्म, हे साम्ब,
हे अनादि-अनन्त शिव, हे सदाशिव!
अज्ञान को हरने वाले, हे हर,
और समस्त सुखों के दाता, हे शम्भु!

पद १

हे गिरिजावर हे गिरिजावर
हे गिरिजावर हर शम्भो ॥

आप गिरिजावर हैं, पर्वत-पुत्री पार्वती के प्रिय वर हैं।

पद २

हे करुणाकर हे करुणाकर
हे करुणाकर हर शम्भो ॥

आप करुणाकर हैं, करुणा के मूर्तरूप हैं।

पद ३

हे मृत्युञ्जय सच्चित्सुखमय
हे करुणामय हर शम्भो ॥

आप मृत्युञ्जय हैं, मृत्यु पर विजय प्राप्त करने वाले हैं।
हे करुणामय, सत्, चित् व सुख आपका सत्त्व है।

© २०२२ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

इस नामसंकीर्तन की सम्पूर्ण रिकॉर्डिंग सिद्धयोग बुकस्टोर में उपलब्ध है।